डिपार्टमेंट में रजिस्टर्ड होंगे पीएचडी स्कॉलर

एकेटीयू अब पीएचडी ऑर्डिनेंस में करेगा बदलाव

■ एनबीटी, लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी में अब पीएचडी में एडमिशन लेने वाले स्कॉलर सीधे डिपार्टमेंट में रजिस्टर्ड होंगे। इसके लिए यूनिवर्सिटी अपने पीएचडी ऑर्डिनेंस में बदलाव करेगी। अभी यूनिवर्सिटी में एंट्रेंस के माध्यम से स्टूडेंट्स का एडमिशन होता है इसके बाद स्कॉलर खुद ही वर्क प्लेस ढूंढ कर रजिस्ट्रेशन कराते है। इससे स्टूडेंट्स को अक्सर लैब न मिलने से रिसर्च में परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस मामले को एनबीटी ने शनिवार को प्रकाशित किया था। नए ऑर्डिनेंस के तहत रिसर्च स्कॉलर्स को ऐसी कोई भी परेशानी नहीं होगी।

यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. विनय पाठक ने बताया कि डिपार्टमेंट लेवल पर रजिस्टर्ड होने से स्कॉलर्स की काफी समस्याओं का निदान हो सकेगा। वहीं डिपार्टमेंट को भी एक्सपोजर मिल सकेगा। इससे ये भी निष्कर्ष निकल कर सामने आएंगे किस कॉलेज के कौन से डिपार्टमेंट ज्यादा बेहतर हैं। इससे संस्थाओं में प्रतियोगात्मक भावना भी जागृत होगी और अन्य विभाग भी स्वतः विकसित होंगे।

विभागों को मिलेगी ग्रांट

वीसी प्रो. पाठक ने बताया कि रिसर्च के विभागों को अलग से ग्रांट भी दी जाएगी। पहले यह ग्रांट कॉलेज को दी जाती थी वह जिस विभाग में चाहते थे उसमें लगाते थे, लेकिन अब यह विशेष विभागों के नाम भेजी जाएगी। जो भी विभाग रिसर्च में आगे होंगे और जहां ज्यादा रिसर्च स्कॉलर होंगे उन्हें अधिक से अधिक ग्रांट दी जाएगी ताकि वह अपने संसाधनों को और भी विकसित कर सकें। इसका प्रपोजल तैयार किया जा रहा है जरूरी फेरबदल करने के बाद इसे एकेडमिक काउंसिल में रखा जाएगा। इसके बाद कार्यपरिषद में मंजूरी मिलने पर इसे लागू कर दिया जाएगा। हमारा प्रयास है कि नया ऑर्डिनेंस अगले साल से लागू हो जाए। हालांकि इसमें अभी कुछ पेंच हैं, जिससे निपटने के लिए आईईटी के प्रफेसरों की पूरी टीम लगी है।